क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 292, गुरुवार, 22 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

न डेड लड़की ने तीन लोगों को दिया जीवनदान

मधुस्मिता के अंग 170 किमी की दूरी तय कर वर्धमान पश्चिम जिले से कोलकाता सड़क मार्ग से लाए गए, बनाया गया था ग्रीन कॉरिडोर

कोलकाता, एजेंसी। दिमागी तौर पर मृत घोषित की जा चुकी एक लड़की का लीवर और किडनी यहां सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में तीन अन्य मरीजों में प्रतिरोपित किए गए। एक चिकित्सक ने बताया कि सोमवार को 13 वर्षीय मधुस्मिता बायेन के अंग 170 किमी की दूरी तय कर दो घंटे में वर्धमान पश्चिम जिले से कोलकाता सड़क मार्ग से लाए गए। इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। मधुस्मिता की किडनी अभिषेक मिश्रा और मिथुन दलाल को लगाई गई, जबकि लीवर संजीत बाला को प्रतिरोपित किया गया। बांकुरा जिले के मेजिया की रहने वाली मधुस्मिता कुछ दिन पहले कोमा में चली गई थी। शनिवार को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। उसके कॉर्निया आई बैंक में रखे गए हैं। उसके माता-पिता ने कहा कि उन्होंने बेटी के अंगदान का फैसला इसलिए लिया, ताकि दूसरों को जीवन मिल सके और उनकी बेटी इस रूप में जीवित रहे।

पिछले 5 वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में 22 सौ से ज्यादा महिलाएं लापता- रिपोर्ट

एजेंसी,मुंबई। महाराष्ट्र में बीते पांच साल में 2264 महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट है। राज्य विधानसभा में आज यह जानकारी दी गयी।मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने एक लिखित जवाब में बताया कि लापता महिलाओं में 298 नाबालिग लड़कियां हैं। मुख्यमंत्री के पास राज्य के गृह विभाग का भी प्रभार है। सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंगल प्रभात लोढ़ा एवं अन्य ने इस संबंध में एक प्रश्न किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुमशुदा महिलाओं की संख्या बढ़ी हुई प्रतीत होती है क्योंकि उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार किसी नाबालिग के लापता होने की स्थिति में अपहरण का मामला दर्ज किया जाता है। उन्होंने बताया कि 2013 से 18 साल से कम उम्र की 5056 महिलाओं के लापता/अपहरण की रिपोर्ट की गयी। इनमें से 4758 महिलाओं का पता चल गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी समय अवधि में 18 साल से ऊपर की 21,652 महिलाओं के लापता होने की रिपोर्ट की गयी इनमें से 19,686 का पता लगा लिया गया। फडणवीस ने बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिये मानक संचालन अभ्यास (एसओपी) तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लापता बच्चों की तलाश के लिये उन्होंने बताया, ''राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) और महाराष्ट्र अपराध 2016 रिपोर्ट के अनुसार मानव तस्करी के 10 मामले दर्ज किये गये हैं जिनमें 53 पीड़ित शामिल हैं। इसके अनुसार बच्चों के खिलाफ उत्पीड़न के 8518 मामले दर्ज किये गये हैं जिनमें पीड़ितों की संख्या 8908 है। महिलाओं के अपहरण से संबंधित मामलों में 2016 में देश में महाराष्ट्र का 12वां स्थान था।

जमीन अधिकार के लिए किसानों का ठाणे से मुंबई तक मार्च शुरू

एजेंसी,मुंबई। सूखे के लिए मुआवजे और आदिवासियों को वन्य अधिकार सौंपे जाने की मांग को लेकर हजारों किसान एवं आदिवासियों ने बुधवार को ठाणे से मुंबई तक दो दिवसीय मार्च शुरू किया। आठ महीने पहले किसानों ने नासिक से ऐसा ही मार्च शुरू किया था। मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित एवं भारत के जल पुरुष के नाम से मशहूर डॉ. राजेन्द्र सिंह भी मार्च करने वालों में शामिल हैं।

पुष्कर में चल रहे ऊंट मेले में मंगलवार को एक प्रतिस्पर्धा के दौरान पर्यटकों के सामने अपनी लंबी मूछों का प्रदर्शन करता एक व्यक्ति।

›››› मां-बाप में अलगाव की स्थिति में पैन कार्ड आवेदक दे सकेगा मां का नाम

पैन कार्ड पर सिर्फ मां के नाम से भी चलेगा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने स्थायी खाता संख्या (पैन) आवेदन में आवेदक के पिता-माता के अलग होने की स्थिति में पिता का नाम देने की बाध्यता खत्म कर दी है।

आयकर विभाग ने एक अधिसूचना के जरिये आयकर नियमों में संशोधन किया है। विभाग ने कहा है कि अब आवेदन फार्म में ऐसा विकल्प होगा कि माता-पिता के अलग होने की स्थिति में आवेदक मां का नाम दे सकता है। अभी पैन आवेदनों में पिता का नाम देना अनिवार्य है। नया नियम पांच दिसम्बर से लागू होगा।

नांगिया एडवाइजर्स एलएलपी के भागीदार सूरज नांगिया ने कहा कि इस अधिसूचना के जरिये कर विभाग ने उन लोगों की चिंता को दूर कर दिया है जिनमें ''''माता-पिता'' में अकेले मां का ही नाम है। ऐसे में वह व्यक्ति पैन कार्ड पर सिर्फ मां का ही नाम चाहता है, अलग हो चुके पिता का नहीं।

दुनियाभर में सिर्फ भारतीयों को मिलती हैं सबसे कम छुट्टियां

मुंबई, एजेंसी। दुनियाभर में सबसे कम छुट्टियां भारतीय कर्मचारियों को मिलती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब 75 भारतीय अवकाश की कमी से जूझ रहे हैं जबकि 41 प्रतिशत लोगों को काम से फुर्सत नहीं मिल पाने के कारण पिछले छह महीने में छुट्टी लेने का मौका नहीं मिला है। एक्सपीडिया की अवकाश कमी रिपोर्ट-2018 के अनुसार, भारत में सर्वाधिक 75 प्रतिशत लोग अवकाश की कमी का सामना कर रहे हैं। भारत के बाद 72 प्रतिशत के साथ दक्षिण कोरिया और 69 प्रतिशत के साथ हांगकांग दूसरे एवं तीसरे स्थान पर हैं।;

भारत में कर्मचारी अपनी पूरी छुट्टियों का भी उपयोग नहीं कर पाते हैं। इस मामले में जापान, इटली, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद भारत का स्थान है। एक्सपीडिया इंडिया के विपणन प्रमुख मनमीत अहलूवालिया ने कहा कि हमने भारत में नियोक्ताओं की ओर से अवकाश के मामले में समर्थन के रवैये में वृद्धि देखी है। हालांकि, कर्मचारी अब भी अपनी पूरी छुट्टियां नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि उन्हें महत्वपूर्ण निर्णयों से बाहर रह जाने या कम समर्पित समझे जाने का भय लगा रहता है। अध्ययन में 18 प्रतिशत लोगों ने यह भी माना है कि जो लोग काम में सफल हैं, वे छुट्टियां नहीं लेते हैं।

»»» जाको राखे साइयां:

बच्ची के ऊपर से गुजरी ट्रेन, नहीं आई एक भी खरोंच

मथुरा। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में जंक्शन पर मंगलवार सुबह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना हुई। रेल पटरी-प्लेटफार्म के बीच एक साल की बच्ची पड़ी रही और उसके ऊपर से ट्रेन की 22 बोगियां गुजर गईं। मगर बच्ची का बाल बांका भी नहीं हुआ।

घटनाक्रम सुबह करीब साढ़े 10 बजे मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 का है। डीग गेट मेवाती मोहल्ला निवासी सोनू पुत्र रशीद परिवार के साथ झांसी जाने के लिए जंक्शन पहुंचे। साथ में पत्नी रानो, बेटी नायरा (4) और बेटी साहिबा (1) थी। सुबह करीब 10:30 बजे प्लेटफार्म संख्या-1 पर समता एक्सप्रेस पहुंची, सभी उसमें बैठ गए। सीट पर बैठते ही सोनू को पता चला कि उसकी जेब से पर्स गायब है।

पर्स में दो हजार रुपये और यात्रा का टिकट था। सोनू परिवार सहित ट्रेन से उतरने लगा। इसी दौरान ट्रेन चल दी। सोनू तो कोच से उतर गया, लेकिन गोद में बच्चियों समेत उतरते समय उसकी पत्नी लड़खड़ा गई। गोद से नायरा प्लेटफार्म और एक वर्षीय साहिबा प्लेटफार्म और पटरी के बीच गिर गई। बच्ची को ट्रेन के नीचे गिरता देख वहां मौजूद लोगों की चीख निकल गई। गिरने से रानो के भी पैर छिल गए। हादसे के बारे में पता चलने पर गार्ड ने लीवर खींचकर ट्रेन रोकी, लेकिन तब तक पूरी ट्रेन गुजर चुकी थी। इधर, बच्ची को रेलपटरी और प्लेटफार्म के बीच सकुशल देख परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। ईश्वर का चमत्कार देख तमाम यात्री भी बेहद खुश थे। बाद में पिता सोनू ने ट्रैक पर कूदकर बच्ची को गोद में उठा लिया। सूचना पर आरपीएफ भी वहां पहुंच गई। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक शिव कुमार सिंह पौनियां ने बताया कि बच्ची मां की गोद से छिटककर पटरियों पर गिर गई थी। गिरने की वजह से उसकी मां को हल्की चोट लग गई थीं।

मथुरा रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक से बच्ची को उठाता युवक।

स्टेशन पर बेखौफ जेबकतरे

मथुरा। आरपीएफ, जीआरपी की मुस्तैदी के बावजूद रेलवे स्टेशनों पर जेबकतरे बेखौफ हैं। वह मौका मिलते ही जेब तराश देते हैं। इस हादसे की वजह भी एक जेबकतरा बना। जेब कटने पर ही सोनू परिवार के साथ आननफान में ट्रेन से उतर रहा था।

इसी प्लेटफार्म पर पिछले दिनों बचा था युवक

इसे इत्तेफाक कहें या चमत्कार। इसी प्लेटफार्म पर पिछले दिनों मुरैना का एक युवक भी बचा था। वह युवक चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान प्लेटफार्म और कोच के बीच में फंस गया था। शुक्र है कि ट्रेन तत्काल रोक दी गई, जिससे उसकी जान बच गई। बाद में प्लेटफार्म काटकर और कोच के पायदान के बोल्ट खोलकर उस युवक को सकुशल निकाला गया था।

रणनीति : तेलंगाना में मुस्लिम कार्ड खेल रही कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 'सॉफ्ट हिंदुत्व' की रणनीति अपना रही है, पर पार्टी तेलंगाना में खुलकर मुस्लिम कार्ड खेल रही है। चुनाव प्रचार के दौरान पार्टी खुलकर मुसलमानों से जुड़े मुद्दे उठाते हुए मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव को घेर रही है। पार्टी ने अपने तमाम मुस्लिम नेताओं को तेलंगाना में तैनात कर रखा है। पार्टी एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को घेरने में भी कसर नहीं छोड़ रही। तेलंगाना में मुस्लिम मतदाताओं की तादाद करीब साढ़े बारह फीसदी है और विधानसभा की करीब चालीस सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की तादाद अच्छी खासी है। ऐसे में कोई भी पार्टी मुस्लिम मतदाताओं को दरकिनार नहीं कर सकती।

चंद्रशोखर राव और ओवैसी को घेरने की कोशिश

चुनाव प्रचार से जुड़े कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का रुख निर्णायक साबित हो सकता है। इसलिए पार्टी खुलकर उनसे जुड़े मुद्दे उठाते हुए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और एआईएमआईएम के नेता ओवैसी को घेर रही है। चुनाव प्रचार में ये मुद्दे उठाने को लेकर तेलंगाना में कोई डर भी नहीं है। टीआरएस और एआईएमआईएम भी इस रणनीति पर अमल रही है। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है।

मुस्तिम आबादी का 1.7 फीसदी हिस्सा हैदराबाद में

तेलंगाना सोशल डेवलपमेंट रिपोर्ट के मुताबिक, तेलंगाना की कुल मुस्लिम आबादी का करीब 1.7% हिस्सा अकेले हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में रहता है।

हरियाणा: हिसार में तेज रफ्तार कार ने पुल पर सो रहे मजदूरों को कुचला, 5 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा। सड़क पर सो रहे मजदूरों को तेजरफ्तार कार ने कुचल दिया है। इस सड़क हादसे में पांच मजदूरों की मौत (5 labourers Death) हो गई है और नौ अन्य घायल हो गए हैं। हरियाणा पुलिस के प्रवक्ता हरीश भारद्वाज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि पुल पर सड़क बनाने का काम चल रहा था। मजदूरों ने सुबह जल्दी काम करना शुरू कर दिया। इस दौरान तेज रफ्तार आई 20 कार ने संतुलन खो दिया और पांच मजदूरों को कुचल दिया जो पुल पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पांचों मजदूरों की मौत घटनास्थल पर हो गई। भारद्वाज ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं और उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस सड़क हादसे में मरने वाले मजदूरों की पहचान भूषण, शंकर, गोवरधन, विकास, सतन कुमार के रूप में हुई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि ये सभी मजूदर हिसार में बने एक पुल पर सो रहे थे और बुधवार सुबह करीब दो बजे एक तेज रफ्तार कार ने सभी मजदूरों को कुचल दिया। इस सड़क हादसे में पांच मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हादसे में घायल नौ अन्य मजदूरों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जा इस हादसे के बाद तेज रफ्तार कार ने एक अन्य कार को टक्कर मारी जिसके बाद वो कार पुल से नीचे गिर गई। इस कार में सवार ड्राइवर घायल हो गया है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार से कार चलाने वाला कार का ड्राइवर भी घायल हो गया है।

तेवर तल्ख : केंद्र सरकार पर भड़के बीजेपी के 'शत्रु', कहा- सच कहना बगावत है तो हम बागी हैं

चित्रकूट, एजेंसी। अपना दल 'कृष्णा गुट' की राष्ट्रीय किसान महारैली में पहुंचे भाजपा सांसद पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया।

कहा कि अगर सच कहना बगावत है, तो हम बागी हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने राफेल सौदा कर देश का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला किया है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया रामायण मेला परिसर में आयोजित अपना दल की महारैली में शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि वह देशहित, जनहित, किसानहित, नौजवानों के हित में बोलते आए हैं और बोलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह अभी तक भाजपा में हैं, उनको न तो पार्टी ने छोड़ा है और न उन्होंने पार्टी छोड़ी है। नोटबंदी व जीएसटी को सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए सिन्हा ने कहा कि चौकीदार को इसका जवाब देना चाहिए।

सवाल पूछकर बगावत नहीं, बल्कि साहस दिखा रहे हैं। पीएम और राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि वन मैन शो और टू मैन आर्मी जनता के सामने सच उजागर करे। वहीं, आप के सांसद संजय सिंह ने कहा, केंद्र सरकार दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम कर रही है। दिल्ली में आप के 25 विधायकों के खिलाफ फर्जी मुकदमे लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि सीबीआई का दुरुपयोग किया जा रहा है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं, लेकिन सरकार मौन है। उद्योगपतियों के कर्जे माफ हो रहे हैं, किसानों और बेरोजगारों पर लाठियां भांजी जा रही हैं। अपना दल कृष्णा गुट की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने भी मिशन-2019 में सभी कार्यकर्ताओं से जुटने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष पल्लवी पटेल ने भी केंद्र और प्रदेश सरकार पर हमला बोला।

»»» मिर्च-मसालों से सज़्जी की जगह बनायी पेंटिंग

मेले में पहुंचने वाली भीड़ कर रही जमकर खरीदारी

ट्रेड फेयर : मंगलवार हुआ मंगल, पहुंचे 25 हजार लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। मिर्च-मसालें का इस्तेमाल सब्जी बनाने में होता है, लेकिन कोई कहे कि इससे वह पेंटिंग बना सकता है तो शायद आपको आर्श्चय हो। लेकिन यह सही है।

गुजरात के एक स्टाल पर एक पेंटिंग बनायी गई है जो पूरी तरह से मिर्च और अन्य मसालों के इस्तेमाल से तैयार की गई है।

इसकी कीमत दो लोख बतायी जा रही है।

पेंटिंग बनाने वाले का दावा है कि इसे साबुन से धोने पर भी इसका रंग नहीं हटेगा। इसकी उम्र सैकड़ों साल बतायी जा रही है। जिसे भी पता चलता है कि यह पेंटिंग मिर्च-मसाले से तैयार की गई है वही ठिठक कर देखने लग जा रहा है।

ट्रेड फेयर की रौनक लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार को जहां मेला देखने के लिए 30 हजार की भीड़ पहुंची तो मंगलवार को 25 हजार से अधिक लोग मेला देखने के लिए प्रगति मैदान पहुंचे। अच्छी बात यह रही कि भीड़ सिर्फ घूमने-फिरने के लिए नहीं आ रही है बल्कि जमकर खरीदारी भी कर रही है।

इसके साथ ही साथ इस बार मेले में भीड़ लंबे समय तक हॉल या पवेलियन में ठहर नहीं रही है।

लगातार बढ़ती भीड़भाड़ से मेले में आए कारोबारियों के चेहरे खिल गए हैं। कई स्टाल संचालकों ने बताया कि इस बार हमें इतना कारोबार होने की उम्मीद नहीं थी।

बहुत कम माल लेकर आए थे, लेकिन जिस तरह से मेले में आने वाले लोग खरीदारी कर रहे हैं उसे देखते हुए हमने शनिवार और रविवार के लिए अलग से माल मंगवाया है।

दर्शकों द्वारा खरीदारी किए जाने से मेले में शिरकत करने वाले कारोबारियों के चेहरे खिल गए हैं। वहीं दूसरी ओर आज भी मेले में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र पहुंचे। इनका आकर्षण सेल्फी लेना ज्यादा था।

प्रगति मैदान में चल रहे विश्व व्यापार मेले में मंगलवार को राजस्थान पवेलियन में प्रदर्शित उत्पादों को देखते दर्शक।

संपादकीय

मतभेद और तनाव माहौल खत्म

खबर यकीनन सुकून देने वाली है कि सरकार और रिजर्व बैंक के बीच मतभेद और तनाव का माहौल खत्म हो रहा है। हालांकि नीतियों को लेकर सरकार और केंद्रीय बैंक के बीच मतभेद और असहमति अस्वाभाविक नहीं। सरकार चुनाव में किए गए अपने वायदों से बंधी होती है और उसे जनता की समस्याओं का ध्यान रखते हुए कई ऐसे कदम उठाने होते हैं, जो रिजर्व बैंक की नजर में वित्तीय अनुशासन के विपरीत भी हो सकता है। हमारे यहां का वातावरण ऐसा हो गया है कि इन मतभेदों को भी सही परिप्रेक्ष्य में देखने की बजाय सनसनीखेज बना दिया जाता है। रिजर्व बैंक के एक अधिकारी ने जो भी भाषण दिया था वह उनका मत था जिसे रखने का उनको पूरा अधिकार था, किंतु लोक कल्याणकारी राज में सरकारें केवल शुष्क वित्तीय अनुशासन के नियमों से नहीं चल सकती। वित्त का ध्यान तो रखना ही है, लेकिन जन कल्याण संबंधी कदमों को रोकना कतई उचित नहीं होता। इसमें बीच का रास्ता निकालने की आवश्यकता होती है। मसलन, रिजर्व बैंक के पास पूंजी का कितना आरक्षित भंडार रहना चाहिए, इस मुद्दे को एक विशेषज्ञ समिति के हवाले कर दिया जाएगा। उसके सदस्यों के बारे में सरकार और रिजर्व बैंक दोनों मिलकर फैसला करेंगे। दूसरे, छोटे उद्योगों के फंसे कर्ज के पुनर्गठन के मसले पर केंद्रीय बैंक खुद विचार करेगा। रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की सोमवार की बहुचर्चित बैठक नौ घंटे तक चली। मतभेद के ये दो बड़े मुद्दे थे। रिजर्व बैंक एक निश्चित सीमा तक पूंजी रखने पर अड़ा था, जबकि सरकार का कहना था कि लघु एवं मध्यम उद्योगों का कर्ज देने में उदारता दिखानी होगी। रिजर्व बैंक का पूंजी आधार इस समय 9.69 लाख करोड़ रुपये है। सरकार की ओर से रिजर्व बैंक के स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए गए एस. गुरु मूर्ति चाहते हैं कि इस कोष को नियंतग्रमानकों के अनुरूप कम किया जाना चाहिए। वित्त मंत्रालय भी उनसे सहमत है। तो विशेषज्ञ समिति की अनुशंसाओं पर सब कुछ निर्भर करेगा। बहरहाल, केंद्रीय बैंक नकदी की मौजूदा स्थिति और भविष्य में टिकाऊ तरलता की जरूरत को देखते हुए मुक्त बाजार परिचालन के तहत सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदने के लिए 80 अरब खर्च करेगा। अच्छा है बैंक और सरकार दोनों देश की माली हालत, विकास की आवश्यकताओं और कल्याण कार्यक्रमों के बीच संतुलन और समन्वय से काम करें।

देशों की नफरत

पूर्व पाकिस्तान में पदस्थ अमेरिकी राजदूत रॉयन क्रोकर और तब के पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल अशफाक परवेज कियानी के बीच हुई आपसी बातचीत दोनों देशों की नफरत और प्यार भरे रिश्तों पर रोशनी डालती है। पाकिस्तान के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयान को इसी पृष्ठभूमि में देखने की जरूरत है। यह बातचीत दो हजार सात में हुई थी, जब क्रोकर अपना तीन साल का कार्यकाल समाप्त करके स्वदेश लौट रहे थे। असलियत यह है कि क्रोकर अपने समूचे कार्यकाल के दौरान इस्लामाबाद सरकार को लगातार यह समझाते रहे कि वह देश के भीतर छुट्टा घूम रहे आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करे, क्योंकि ये अफगानिस्तान में तैनात अमेरिकी सैनिकों को हताहत कर रहे हैं। लेकिन उनकी बात बेअसर रही, क्योंकि जनरल कियानी के मुताबिक पाकिस्तान अच्छी तरह जानता है कि अमेरिकी सैनिक बहुत लंबे समय तक अफगानिस्तान में तैनात नहीं रह सकते। जाहिर है, ऐसे में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क को इस्लामाबाद अपना शत्रु नहीं बनाना चाहेगा। इसलिए पाकिस्तान अपनी नीतियों को बदल नहीं सकता। दरअसल, क्रोकर और कियानी उन मुद्दों पर बातचीत कर रहे थे, जो दोनों देशों के रिश्तों को प्रभावहीन बना रखा है। देखा जाए तो वास्तव में अमेरिका और पाकिस्तान ऐसे दोस्त हैं, जिनके बीच सहयोग के समान बिन्दु ही नदारद हैं। अमेरिका के पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों ने अफगानिस्तान की सीमा पर सक्रिय तालिबान और हक्कानी आतंकवादियों पर नियंतग्र करने के लिए पाकिस्तान को समझाने की कोशिशों में बुरी तरह विफल रहे हैं। वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन इस फैसले पर लगातार विमर्श कर रहा है कि पाकिस्तान पर कितना दबाव बनाया जाए। पिछले दिनों अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को दी जाने वाली 1.3 अरब डॉलर की आर्थिक मदद को रोकने का आशय पाकिस्तान पर दबाव बनाना ही था। लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान अपने मुल्क में सक्रिय अफगानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर पाकिस्तान को लेकर अपना असंतोष जाहिर किया है। अब आगे देखना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ किस स्तर तक अपना संबंध बनाए रखता है!

संवैधानिक जवाबदेही, अदालती मर्यादा

अदालती आदेश से लैस केरल की कम्युनिस्ट सरकार मंदिर के द्वार खुलवाने के लिये सारा जोर लगा रही थी और परम्परा के नाम पर लोग अदालती आदेश लागू नहीं होने दे रहे थे। इस कानूनी लड़ाई को लड़ने वाला समूह ही नहीं, महिलावादी जमातों की लड़कियां और औरतें पुलिस संरक्षण में मंदिर जाना और भगवान अयप्पा के दर्शन करना चाहती थीं। वे इसे अपने समान अधिकारों से जोड़कर देखती बतातीं रही हैं और केरल सरकार भी इसी नजरिए को मानने के साथ अदालती आदेश को लागू कराना अपनी संवैधानिक जिम्मेवारी मानती है। पर एक दौर की लम्बी टकराहट के बाद सभी पक्षधर थकने भी लगते हैं और सबकी पोल पट्टी भी खुल रही है। साफ लग रहा है कि जितना सवाल आस्था, संवैधानिक जवाबदेही, अदालती मर्यादा और समानता के अधिकार का है, उससे ज्यादा राजनीति का और अपने-अपने वोट बैंक को पक्का करने का है। केरल सरकार ने भी पहले दौर में सारा जोर लगाने के बाद इतना ही अच्छा किया कि लाठी-गोली का सहारा लेने से बची।

सतीश पेडणोकर

केरल का प्रसिद्ध तीर्थस्थल सबरीमाला चिथिरा अत्ता विशेषम के लिए दो दिनों तक खुला तो इसमें वे सब मुद्दे ज्यादा साफ ढंग से सामने आए जो हाल में इस स्थल को विवादास्पद बनाए हुए थे। चिर कुंआरे माने जाने वाले देव अयप्पा के इस मंदिर में 10 से पचास वर्ष तक की महिलाओं के आने पर पारम्परिक रोक रही है। हाल में एक लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसके द्वार सबके लिए खोलने के आदेश दिये थे। उसके बाद से असली टकराव शुरू हुआ। अदालती आदेश से लैस केरल की कम्युनिस्ट सरकार मंदिर के द्वार खुलवाने के लिये सारा जोर लगा रही थी और परम्परा के नाम पर लोग अदालती आदेश लागू नहीं होने दे रहे थे। इस कानूनी लड़ाई को लड़ने वाला समूह ही नहीं, महिलावादी जमातों की लड़कियां और औरतें पुलिस संरक्षण में मंदिर जाना और भगवान अयप्पा के दर्शन करना चाहती थीं। वे इसे अपने समान अधिकारों से जोड़कर देखती बतातीं रही हैं और केरल सरकार भी इसी नजरिए को मानने के साथ अदालती आदेश को लागू कराना अपनी संवैधानिक जिम्मेवारी मानती है। पर एक दौर की लम्बी टकराहट के बाद सभी पक्षधर थकने भी लगते हैं और सबकी पोल पट्टी भी खुल रही है।

साफ लग रहा है कि जितना सवाल आस्था, संवैधानिक जवाबदेही, अदालती मर्यादा और समानता के अधिकार का है, उससे ज्यादा राजनीति का और अपने-अपने वोट बैंक को पक्का करने का है। केरल सरकार ने भी पहले दौर में सारा जोर लगाने के बाद इतना ही अच्छा किया कि लाठी-गोली का सहारा लेने से बची। और बाद में तो उसने भी मंदिर की ड्यूटी लगाने में महिला पुलिस की उम्र का हिसाब ध्यान रखा। खुद पुलिस के बड़े अधिकारी भी मंदिर में अपराध भाव के साथ प्रार्थना करते दिखे पर राज्य सरकार से भी ज्यादा केन्द्र का रुख घालमेल का था। उसके मंत्री अदालत द्वारा सीमा न लांघने का नीति वाक्य भी बोलते रहे और केरल सरकार के रु ख की आलोचना भी करते रहे हैं। कांग्रेस तो बिना लाग-लपेट दोहरा रु ख अपनाए रही। अदालती फैसले का स्वागत करने के साथ वह भक्तों को, खासकर दस से पचास आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर में न जाने देने के लिए धरने पर भी बैठी रही। इस मामले में उसे भाजपा से पिछड़ने का डर सताता रहा पर असली खेल भाजपा करती रही।

केरल की राजनीति में पैठ बनाने के लिए सबसे ज्यादा बेचैन इस पार्टी के लोग ही महिलाओं को रोकने, जबरदस्ती करने के मामले में आगे रहे। जितना हंगामा हुआ उसमें भी यही आगे थे-कांग्रेसी चुपचाप पहाड़ी के नीचे-नीचे धरना देते रहे जबकि भाजपा के लोग सक्रिय विरोध वाले थे। और अदालत तो आदेश देने के बाद से कहां है, किसी को पता ही नहीं है। और अब सामने आए टेप से लगता है कि प्रदेश भाजपा काफी योजनाबद्ध ढंग से इस अभियान अर्थात सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाने में लगी थी। और शासक दल का प्रदेश अध्यक्ष चाहे किसी के आदेश से या अपने विवेक से यह सब कर रहा था पर सुप्रीम कोर्ट की यह तौहीन डरावनी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पी. एस. श्रीधरन पिल्लै एक वीडियो टेप में यह कहते सुने जा रहे हैं कि यह सारा विरोध उन्हीं के द्वारा संचालित था और उन्होंने ही मंदिर के मुख्य पुजारी राजीवरु कन्दराऊ को मन्दिर के कपाट बन्द करने की धमकी देने को कहा था। उल्लेखनीय है कि जब पुलिस संरक्षण में दो महिलाएं मंदिर द्वार के पास पहुंच गई थीं, तब तंत्री ने कपाट बंद करने की धमकी दी और पुलिस को उन्हें वापस ले जाना पड़ा। यही नहीं, भारतीय युवा मोर्चा के कोझिकोड सम्मेलन में दिये उनके भाषण को भी जान-बूझकर लीक किया गया जिससे कि अफरा तफरी फैले। पिल्लै ने तंत्री को यह भी कहा था कि कपाट बंद करने से अदालत की अवमानना का मामला नहीं बनता है। जाहिर है कि इस टेप के आने के बाद इसकी राजनीति भी चलेगी और सम्भव है कि इसी चर्चा के लिए इसे लीक किया भी गया होगा पर सबरीमाला का मामला कई अर्थो में बहुत महत्त्व का है-यह सिर्फ हमारे राजनेताओं के दो मुँहपने को जाहिर करने और हर मामले का राजनैतिक लाभ लेने की होड़ को दिखाने भर वाली चीज नहीं है। एक सवाल बराबरी का है, संविधान प्रदत्त अधिकारों का है और उसमें कोई बहस की गुंजाइश नहीं है।

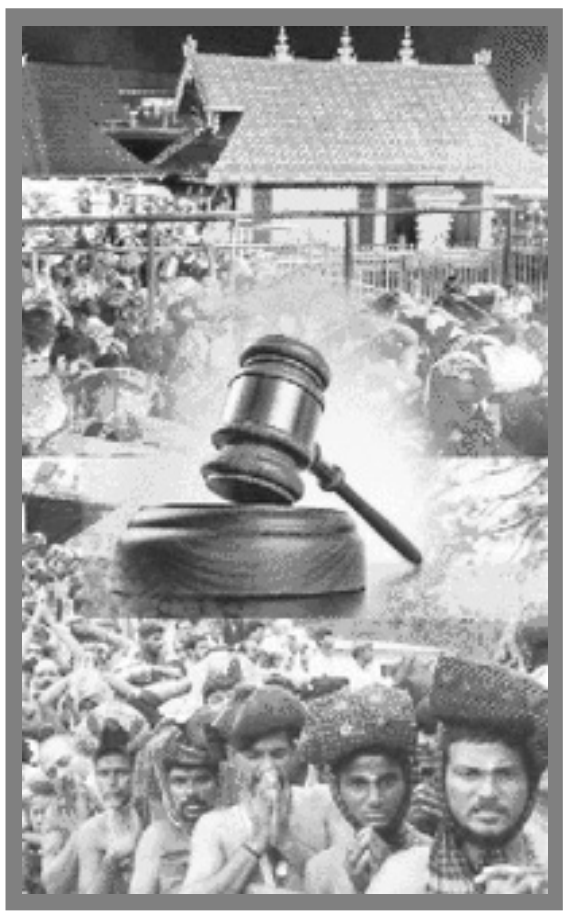

दूसरी चीज आस्था और परम्पराओं का है, जो हल्की चीज हो, अंधविास हो, बुद्धिहीनता और पिछड़ेपन की निशानी हो। यह मान लेना उतनी ही बड़ी बेवकूफी है। सो एक सीमा तो अदालती अधिकार या कानूनी परिभाषा और आस्था के बीच की तय होनी चाहिये, जो कानून की चीज हो उसे अदालत तय करे और जो आस्था, धर्म और परम्परा का सवाल हो उसमें उसके संचालकों को अधिकार होना चाहिये। अब एक बात यह भी है कि आपको पूजा करनी है या नमाज पढ़ना है और उसके नियम न मानने हैं, तब आप कानून की शरण क्यों लेते हैं? अगर अयप्पा और हाजी अली से कोई परेशानी है तो वहां जाने की जरूरत नहीं है। अगर देवताओं के करोड़ों रूप माने गए हैं तो आप अपने कुछ दशक पुराने कानून का सहारा लेकर सबको बराबरी पर तौलने पर क्यों तुले हैं? पर इससे भी ज्यादा बड़ी चीज यह है कि जब परम्परा-आस्था-विास और आधुनिक कानून और संविधान का टकराव हो ही तब क्या किया जाए? हम जिस दौर में जी रहे हैं या जीवंत समाज रोज ऐसी मुश्किलों से रू ब रू होता ही है। तब उसे क्या करना चाहिए। जाहिर है सिर्फकानून से चिपके रहने या परम्परा से चिपके रहने से वही नाटक बार-बार दोहराया जाएगा, जो आज सबरीमाला में दिख रहा है। आप चाहते सत्ता की मलाई हैं, पर लोगों की आस्था और भक्ति से खेल रहे हैं। आपको सत्ता का बल है और भाजपा या कांग्रेस को पछाड़ना चाहते हैं तो अदालती आदेश लागू कराने के नाम पर डंडे भांजते हैं। असल में ऐसे ही मामले पर नेतृत्व की जरूरत होती है। अगर आप सचमुच के नेता हैं तो आप सभी पक्षों को साथ बैठाइए, नई स्थितियां सबके सामने रखिए, अंधविास और जड़ता को तर्क और प्रमाणों से काटिए और सबके बीच संवाद से रास्ता निकालिये। महात्मा गांधी का उदाहरण सामने है, जब उन्होंने दलितों के हक और छुआछूत मिटाने की लड़ाई लड़ी। तब पुणो, बनारस, देवघर और पुरी जैसे कुछ शहरों के पंडे-पुरोहितों को छोड़कर पूरे मुल्क ने ऐसा व्यवहार किया मानो गांधी हिन्दू समाज के सीने से कोई बोझ उतार रहे हों।

चलते चलते

स्मार्टफोन और इंटरनेट से ताकत

ताकत कहां ते आवै?-देह में आती है भोजन से, देश में आती है परमाणु बम से, लेकिन अगर भोजन भी तुम्हें ताकत न दे तो ताकत आती है स्मार्टफोन से। देश को अगर परमाणु बम से भी ताकत न मिले, तो उससे अधिक शक्तिशाली है इंटरनेट। -कैसी बेपर की उड़ाय रह्यौ ऐ!-आप जिस अखबार को पढ़ते हैं, उसी में पढ़ा है चचा! स्मार्टफोन और इंटरनेट से ताकत आती भी है और जाती भी है। बफैलो यूनिर्वसटिी की एक वैज्ञानिक सारा ओडानिल ने अपने अध्ययन में पाया कि स्मार्टफोन के लिए छात्र भोजन तक छोड़ देते हैं। गोया स्मार्ट फोन ही उनकी ताकत बढ़ा रहा हो। भूखे छात्रों पर प्रयोग किया गया। उनके सामने एक ओर रखी भोजन की थाली, दूसरी ओर ट्रे स्मार्ट फोन वाली। थाली को धता बताकर छात्र स्मार्ट फोन की तरफ लपके। चचा, मोबाइल फोन स्मार्ट फोन तभी कहलाता है जब इंटरनेट पाता है। अमेरिकी अभिनेता जॉन सी रेली का कहना है कि परमाणु बम की तरह शक्तिशाली है इंटरनेट। आजकल आबाल वृद्ध, सब लगे रहते हैं स्मार्टफोन पर। बस हो, ट्रेन हो या कार्यालय, कान में ईयर फोन लगाए, मोबाइल पर झुकी हुई, लीन-तल्लीन, किसी और से सरोकार विहीन, आबादी आपको दिखाई देगी। पता नहीं लगता क्या सुन-पढ़ रहे हैं। विश्व का भूगोल देख रहे हैं कि देह का? रूस में कोवलेंको नाम का एक युवक एपल स्टोर में एक आईफोन टैनएस खरीदने के लिए बाथटब में सिक्के भर कर लाया। स्टोर के क्लर्क छटंकीभर का आईफोन देने के लिए साढ़े तीन सौ किलो के सिक्कों को दिनभर गिनते रहे। अब तो दिन गिनिए चचा कि पूरी दुनिया के भविष्य को नियंत्रित करने वाला ये इंटरनेट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू, वर्ल्ड वाइड वेब, कब सृष्टि को बदलने वाला सीसीसी यानी, कॉस्मिक कंट्रोल सेंटर बनता है। इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ में हिन्दीवादी इसे जेजेजे जजोजा कहते थे, यानी जगत जोड़ता जाला। फिलहाल यह टीटीटी तातोत यानी ताले तोड़ता ततैया होता जा रहा है।-ततैया कैसै तालौ तोड़ सिकै? -आपके सिस्टम में अपने बैक-एंड से ऐसा डंक मारेगा कि आपकी गोपनीयता के सारे ताले टूट जाएंगे।

देश को अगर परमाणु बम से भी ताकत न मिले, तो उससे अधिक शक्तिशाली है इंटरनेट। -कैसी बेपर की उड़ाय रह्यौ ऐ!-आप जिस अखबार को पढ़ते हैं, उसी में पढ़ा है चचा! स्मार्टफोन और इंटरनेट से ताकत आती भी है और जाती भी है। बफैलो यूनिर्वसटिी की एक वैज्ञानिक सारा ओडानिल ने अपने अध्ययन में पाया कि स्मार्टफोन के लिए छात्र भोजन तक छोड़ देते हैं।

पैगम्बर मोहम्मद साहब

खुदा के प्यारे रसूल हजरत पैगम्बर मोहम्मद साहब की पैदाइश की खुशी में मनाया जाता है। यह त्योहार ईदों की ईद है। यदि ईद मिलादुन्नबी न होती, तो ईद और ईदुल अजहा की खुशी न मिलती। इस्लाम के सबसे महान नबी और आखिरी पैगम्बर मोहम्मद साहब का जन्म मक्का शहर में इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक रबी उल-अव्वल महीने की 12 तारीख (22 अप्रेल, 571 ईस्वी) को हुआ था। अरबी कैलेंडर की इसी तारीख को पैगम्बर की वफात यानी देहावसान भी हुआ था। लिहाजा, इस दिन को बारावफात भी कहते हैं। इस्लाम के अनुयायियों के लिए इस दिन की अहमियत अलग ही है।

मोहम्मद साहब के जन्मदिन की वजह से यह दिन उनके लिए खुशियों का भी है, तो इसी दिन निधन होने की वजह से गम का भी। लेकिन सारी दुनिया के मुसलमान ईद मिलाद उन-नबी के दिन को खुशी से मनाते हैं।

इस त्योहार के एक दिन पहले मस्जिदों में रात भर मोहम्मद साहब की तालीम पर बात होती है, तो दूसरे दिन हर जगह रैलियां निकाली जाती हैं और बड़े-बड़े समारोह कर पैगम्बर मोहम्मद साहब की तालीम को लोगों तक पहुंचाया जाता है। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता है।

पैगम्बर हजरत मोहम्मद का जन्म उस दौर में हुआ, जब अरब जगत में आडंबर, सामाजिक बुराइयों, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और नवजात बच्चियों की हत्याएं आम थीं। उस जहालत भरे दौर में लड़कियों की पैदाइश को एक समाजी शर्म और तौहीन माना जाता था।

लोग बच्चियों की पैदा होते ही हत्या कर देते थे। अरब सरजमीं पर मौजूद इन बुराइयों के खिलाफ पैगम्बर मोहम्मद ने सबसे पहले आवाज उठाई। जब वे इस राह पर निकले, तो उनकी राह में तरह-तरह की मुश्किलें पैदा की गई, लेकिन फिर भी वे बिना किसी परवाह के आगे बढ़ते चले गए। इंसानियत और ''एकेश्वरवाद' का पैगाम देने वाले रसूल पैगम्बर हजरत मोहम्मद, समाज में महिलाओं को सम्मान एवं अधिकार दिए जाने की हमेशा पैरोकारी करते रहे। उन्होंने बच्चियों की पैदाइश और उनकी परवरिश को जन्नत में दाखिल होने का जरिया करार दिया।

मोहम्मद साहब, औरतों के प्रति भेदभाव के खिलाफ थे।' पैगम्बर मोहम्मद का कथन है-''अगर कोई शख्स अपनी कामना और ख्वाहिश को पूरा करता है, तो उसका भी उसे पुण्य मिलेगा। शर्त यह है कि वह इसके लिए वही तरीका अपनाए जो जायज हो।'पैगम्बर साहब ने हर इंसान को तालीम दी कि दूसरे की जान, माल, इज्जत को ऐहतराम की नजर से देखो। उन्होंने जिस इस्लाम मजहब की नींव डाली, वह उस दौर में काफी प्रगतिशील था। एकाधिकार (इजारादारी), सूदखोरी, अप्राप्त आमदनियों व लाभों को पहले ही निश्चित कर लेने, मंडियों पर कब्जा कर लेने, जमाखोरी, बाजार का सारा सामान खरीदकर कीमतें बढ़ाने के लिए त्रिम अभाव पैदा करना इन सब कामों को इस्लाम ने गैरकानूनी माना है। अगर पैगम्बर साहब की तालीमों पर विचार किया जाए, तो दो बातें उनमें सबसे अहम हैं।

पहली, मुहम्मद साहब की शिक्षाएं किसी एक मुल्क या मजहब के लिए नहीं हैं, वे सबके लिये हैं। सारी दुनिया और पीड़ित मानवता के लिए हैं। दूसरी, उनकी शिक्षाएं सदियों साल पहले जितनी प्रासंगिक थीं, आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। जरूरत उन शिक्षाओं को सही तरह से समझने और उन पर ईमानदारी से अनुसरण करने की है।

सत्संग

''धरती मां'

पृवी को ''धरती मां' कहते हैं। क्या इसका मतलब है कि धरती पर सारा अपराध रु क जाएगा? नहीं। अलग-अलग तरह के अपराध होते हैं। स्त्रियों पर यौन हमले बहुत आम हैं। इसके कई पहलू हैं। हम गुस्से में आकर बोल सकते हैं, ''ठीक है, उन्हें फांसी दे दो।' अगर आप बलात्कार की सजा के तौर पर फांसी को लाएंगे तो आपको समझना चाहिए कि बलात्कार के मामले में एकमात्र गवाह लगभग हमेशा पीड़िता होती है। अगर आप एक बलात्कारी को इस बात की गारंटी दें कि बलात्कार करके पकड़े जाने पर तुम्हें फांसी लगनी तय है, तो आपके ख्याल से वह क्या करेगा? वह उस एकमात्र गवाह को रास्ते से हटा देगा। तो कुछ कहने से पहले हमें सतर्क रहना चाहिए कि हम क्याक कह रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हम उनका समर्थन कर रहे हैं। सवाल बस यह है कि आपको समाधान चाहिए या कंगारू कोर्ट : ''हर किसी को फांसी पर लटका दो।' हमें देखना चाहिए कि यह हो क्यों रहा है। पहली चीज यह है कि एक संस्कृति के रूप में भारत के लिए यह पहली पीढ़ी है, जिसमें स्त्रियां वास्तव में सड़क पर निकल रही हैं, पुरुषों के साथ चल रही हैं और उनके करीब रह कर काम कर रही हैं। लोगों को इसकी आदत नहीं है। साथ ही लाखों युवा गांवों से शहरों में आ रहे हैं। उनके गांव में उनके लिए स्त्री का मतलब उनकी मां, उनकी मौसी, अत्ते या पाटी (बुआ या दादी) होती थी। अब वे शहर आकर युवा लड़कियों को सड़क पर चलते देखते हैं। यह उनके लिए बहुत नया है। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए कि चीजों को अनदेखा कर दें और ऐसा दिखाएं मानो हम कहीं से टपके हैं। इंसानों में सेक्सुअलिटी या यौनिकता होती है। पंद्रह से पच्चीस की उम्र के बीच हार्मोन का असर अधिकतम होता है। अगर कोई व्यक्ति अपने जीवन में खेल, कला, संगीत, शिक्षा जैसी चीजों में बुद्धि के विकास, और खुद को व्यक्त करने के दूसरे तरीकों में अनुशासित होता है, तो खुद को व्यस्त रखने के लिए बहुत सारी चीजें होती हैं। अगर आपको व्यस्त रखने के लिए कुछ नहीं है, सिर्फ आपके हार्मोन आपके भीतर उछल रहे हैं फिर उसके बाद आप अपने गांव से शहर आते हैं और अचानक युवा लड़कियों को देखते हैं। आपने फिल्मों में जैसे लोगों को देखा था, वे सड़क पर चल रहे हैं। आदमी पागल हो जाता है।

फोटोग्राफी...

मिजोरम के चम्फाई में मंगलवार को चुनाव प्रचार के दौरान एक बच्चे को गोद में उठाकर उसे दुलारते कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी।

साइना नेहवाल और पारूपल्ली कश्यप जीते, प्रणव-सिक्की पहले दौर में बाहर

लखनऊ। साइना नेहवाल और पारूपल्ली कश्यप ने आसान जीत के साथ सैयद मोदी विश्व टूर सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार को सकारात्मक शुरूआत की लेकिन मौजूदा चैंपियन प्रणव जेरी चोपड़ा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी मिश्रित युगल के पहले दौर में हारकर बाहर हो गयी। प्रणव और सिक्की की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को चीन के रेन झिगांयु और झोउ चाओमिन के हाथों 14-21 11-21 से हार झेलनी पड़ी। यह मैच केवल 31 मिनट तक चला।

तीन बार की चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त साइना ने महिला एकल में मारीशस की केट फू कुन को 21-10 21-10 से शिकस्त दी जबकि कश्यप ने पुरूष एकल में थाईलैंड के तानोंगसाक सेनसोबून्स्क को एकतरफा मैच में 21-14 21-12 से हराया। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना अगले दौर में हमवतन अमोलिका सिंह सिसौदिया से जबकि कश्यप इंडोनेशिया के फरमान अब्दुल खोलिक से भिड़ेंगे।

बी साई प्रणीत भी पहले दौर की बाधा आसानी से पार करने में सफल रहे। उन्होंने रूस के सर्गेई सिरांत को 21-12 21-10 से हराया। वह अब इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रूस्तावितो से भिड़ेंगे। शुभंकर डे ने स्वीडन के फेलिक्स बुरेसटेट को 21-15 21-13 से पराजित किया और अब उनका सामना चीन के लु गुआंझू से होगा। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और आठवीं वरीयता प्राप्त रितुपर्णा दास ने रूस की नतालिया पेरमिनवोवा को 21-19 18-21 21-10 से हराया। उन्हें अब हमवतन श्रुति मंदादा को सामना करना है। मिश्रित युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने हमवतन कृष्णा प्रसाद गर्गा और रूतुपर्णा पंडा पर 21-10 21-10 से जीत दर्ज की।।अन्य खिलाड़ियों में प्राशी जोशी, शैली राणे, रिया मुखर्जी, परदेशी श्रेयांसी, रेशमा कार्तिक और साई उत्तेजिता राव चुक्का भी महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं।

पीसीबी को द्विपक्षीय क्रिकेट की जरूरत, बीसीसीआई की इच्छा: आईसीसी विवाद निवारण समिति

नयी दिल्ली। बीसीसीआई के खिलाफ पीसीबी के मुआवजे के दावे को खारिज करने वाली आईसीसी की विवाद निवारण समिति ने कहा है कि वह पाकिस्तान है जिसे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट की जरूरत है जबकि भारत की शायद खेलने की इच्छा है। आईसीसी की समिति ने अपने 26 पन्ने के फैसले में विस्तार से बताया है कि आखिर क्यों उसने 2015 से 2023 के बीच छह द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं खेलने के लिए पीसीबी के बीसीसीआई के खिलाफ 447 करोड़ रुपये के मुआवजे के दावे को खारिज किया। समिति ने कहा, ''भारत के किसी भी पाकिस्तान दौरे की स्थिति में पीसीबी आपूर्तिकर्ता था। ऐसे दौरे की स्थिति में राजस्व से मेजबान देश को फायदा होता है। दिवालिया चुनने की स्थिति में नहीं होता और निश्चित तौर पर पीसीबी दिवालिया नहीं है लेकिन जैसा कि (सुभान) अहमद (पीसीबी सीओओ) ने कहा कि इस दौरे को छोड़ने से निश्चित तौर पर हमारी वित्तीय स्थिति पर असर पड़ेगा।'' समिति ने कहा, ''पीसीबी के अपने शब्दों में भारत के मेहमान के रूप में द्विपक्षीय दौरे विश्व क्रिकेट की सबसे अधिक इनामी राशि है।'' उन्होंने कहा, ''इसके विपरीत आधुनिक युग में विश्व क्रिकेट में दबदबे वाली ताकत बीसीसीआई के लिए पाकिस्तान के खिलाफ खेलना जरूरी नहीं है। बीसीसीआई की संभवतः इच्छा हो सकती है लेकिन वह पीसीबी है जिसे इसकी जरूरत है।'' पैनल ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों पर भी गौर किया। समिति ने कहा, ''मार्च 2015 में जम्मू-कश्मीर के पुलिस थाने पर बड़ा आतंकी हमला हुआ जिसमें कई सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई। जुलाई 2015 में पंजाब के गुरदासपुर में एक अन्य हमला हुआ जिसमें कई सुरक्षाकर्मियों और नागरिकों ने अपनी जान गंवाई।'' उन्होंने कहा, ''अगस्त 2015 में जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एक और घटना हुई। माना जाता है कि ये हमले पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों ने किए। पीसीबी को इन हालात की संभावित दौरे पर पड़ने वाले असर की जानकारी थी।'' समिति ने यहां तक कि तत्कालीन पीसीबी अध्यक्ष शहरयार खान के 2015 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को लिखे पत्र का भी हवाला दिया। समिति ने कहा, ''पीसीबी अध्यक्ष के 20 अगस्त 2015 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को लिखे पत्र के अनुसार ऐसा लगता है कि भारत सरकार सीमा पर तनावपूर्ण माहौल, लखवी को रिहा किए जाने, गुरदासपुर की घटना के बाद यह कहते हुए भारत को पाकिस्तान के साथ खेलने की स्वीकृति नहीं देगी कि मौजूदा हालात में क्रिकेट श्रृंखला अनुचित होगी। ऐसे में संभावना है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला खेलने की अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करने पर सहमत नहीं हो।'' उन्होंने कहा, ''उनकी (पीसीबी प्रमुख) निराशा उचित थी।''

टेस्ट श्रृंखला के लिये वेड को टीम में रखना चाहिए: जार्ज बैली

ब्रिस्बेन। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान जार्ज बैली का मानना है कि अच्छी फार्म में चल रहे मैथ्यू वेड को भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के एडिलेड में छह दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिये अंतिम एकादश में रखा जाना चाहिए। वेड ने अपना अंतिम टेस्ट मैच पिछले साल सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ चटगांव में खेला था। उन्होंने शैफील्ड शील्ड में अब तक 82-40 की औसत से 412 रन बनाये हैं। वेड ने तस्मानिया की तरफ से पश्चिम आस्ट्रेलिया और क्वीन्सलैंड के खिलाफ विकेटकीपर की भूमिका निभायी थी लेकिन इसके बाद वह बल्लेबाज के रूप में खेले। उन्होंने अब तक पांच बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 137 है। उनकी फार्म को देखते हुए बैली का लगता है कि चयनसमिति के अध्यक्ष ट्रेवर होन्स पहले टेस्ट मैच के लिये टीम उन्हें टीम में रखना चाहिए।

बैली ने सिडनी मार्निंग हेरल्ड से कहा, ''वह अभी जिस तरह से खेल रहा है मैं उसको लेकर बहुत अधिक नहीं बोलना चाहता। आप केवल उसके स्कोर पर गौर करो। उसे टेस्ट टीम में होना चाहिए। वह अच्छा क्षेत्ररक्षक है। मेरा सिर्फ इतना कहना है कि अपने सर्वश्रेष्ठ छह बल्लेबाजों का चयन करो।'' उन्होंने कहा, ''उसका अपने खेल पर पूरा नियंत्रण है।''

धवन की पारी बेकार गयी, पहला टी20 आस्ट्रेलिया के नाम

ब्रिसबेन (एजेंसी)।

शिखर धवन की 76 रन की धमाकेदार पारी के बावजूद भारत को बारिश से प्रभावित पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां आस्ट्रेलिया से डकवर्थ लुईस पद्धति से चार रन से हार झेलनी पड़ी। पहले बल्लेबाजी का न्यौता पाने वाले आस्ट्रेलिया ने जब 16-1 ओवर में तीन विकेट पर 153 रन बनाये थे तब तेज बारिश के कारण लगभग एक घंटे तक खेल नहीं हो पाया। इसके बाद मैच को 17-17 ओवर का कर दिया गया। आस्ट्रेलिया ने निर्धारित 17 ओवरों में चार विकेट पर 158 रन बनाये लेकिन भारत के सामने डकवर्थ लुईस पद्धति से 174 रन का लक्ष्य रखा गया।।

धवन ने 42 गेंद की अपनी पारी में दस चौके और दो छक्के लगाये। मध्यक्रम लड़खड़ाने के बाद दिनेश कार्तिक (13 गेंदों पर 30) और ऋषभ पंत (15 गेंदों पर 20) ने पांचवें विकेट के लिये 51 रन जोड़े लेकिन अंतिम ओवर में जब 13 रन की दरकार थी तब दो विकेट गंवाने से भारत सात विकेट पर 169 रन तक ही पहुंच पाया और इस तरह से आस्ट्रेलिया तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाने में सफल रहा।

आस्ट्रेलिया की जीत के नायक मार्कस स्टॉयनिस रहे जिन्होंने अंतिम ओवर में केवल आठ रन दिये और इस बीच ऋणाल पंड्या और कार्तिक के विकेट लिये। इससे पहले उन्होंने 19 गेंदों पर नाबाद 33 रन की महत्वपूर्ण पारी भी खेली। उनके अलावा ग्लेन मैक्सवेल ने 25 गेंदों पर 46 रन बनाये जिसमें चार छक्के शामिल हैं। क्रिस लिन ने भी चार छक्कों की मदद से 20 गेंदों पर 37 रन ठोके।

भारतीय पारी शुरू से धवन के इर्द गिर्द घूमती रही। रोहित शर्मा (सात) शुरू से लय में नहीं दिखे। धवन ने रोहित को आउट करने वाले जैसन बेहरनडॉर्फ के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया। बायें हाथ के इस तेज गेंदबाज के एक ओवर में उन्होंने स्क्वायर लेग पर छक्का और दो चौके लगाये और इस बीच 29 गेंदों पर अपने करियर का नौवां अर्धशतक पूरा किया। लेकिन इसके बाद आस्ट्रेलियाई गेंदबाज हावी हो गये।

केएल राहुल (12 गेंदों पर 13 रन) फिर से नाकाम रहे। स्पिनर एडम जंपा (22 रन देकर दो) ने उन्हें एलेक्स कैरी के हाथों स्टंप कराने के बाद कप्तान विराट कोहली (आठ गेंदों पर चार रन) को भी कैच कराया। जंपा ने अगर अपनी ही गेंद पर धवन का आसान कैच नहीं छोड़ा होता तो स्थिति और खराब हो सकती थी। धवन हालांकि इसके बाद ज्यादा देर तक नहीं टिके। बिली स्टैनलेक की गेंद पर स्क्वायर लेग पर उन्होंने छक्का जमाया। इसके बाद उनका कैच छूटा लेकिन अगली गेंद पर वह थर्ड मैन पर कैच दे बैठे। धवन ने अपनी पारी में दस चौके और दो छक्के लगाये।

भारत को आखिरी चार ओवर में 60 रन चाहिए थे। ऐसे में पंत और कार्तिक ने एंड्रयू टाई के ओवर में 25 रन बटोरे। मैक्सवेल ने कार्तिक के शाट को कैच कर दिया लेकिन वह खुद को सीमा रेखा पार जाने से नहीं बचा पाये और गेंद भी सही समय पर हाथ से नहीं छोड़ी। इससे मैच रोमांचक बन गया। 12 गेंद और 24 रन। कार्तिक ने चौका लगाया लेकिन पंत ने रिवर्स स्कूप करके कैच थमा दिया। कार्तिक ने फिर गेंद चार रन के लिये भेजी और भारत के सामने अंतिम ओवर में 13 रन का लक्ष्य मिल गया लेकिन स्टॉयनिस (27 रन देकर दो) इनका बचाव करने में सफल रहे।

इससे पहले भारत बीच के ओवरों में रनों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहा। चाइनामैन कुलदीप यादव ने चार ओवर में 24 रन देकर दो विकेट लिये लेकिन बायें हाथ के स्पिनर ऋणाल पंड्या ने चार ओवर में 55 लुटा दिये। साफ लग रहा था कि कोहली को बीच के ओवरों में लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की कमी खली, क्योंकि पंड्या और खलील अहमद (तीन ओवर में 42 रन देकर एक विकेट) ने शार्ट पिच गेंद करायी जिन पर बल्लेबाजों ने लंबे शाट लगाये।

भारतीयों का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा तथा आस्ट्रेलिया के तीन बल्लेबाजों को जीवनदान मिले। कप्तान आरोन फिंच और स्टॉयनिस के आसान कैच छोड़े गये जबकि मैक्सवेल रन आउट होने से बचे। भुवनेश्वर कुमार (तीन ओवर में 15 रन) और जसप्रीत बुमराह (तीन ओवर में 21 रन देकर एक विकेट) ने अच्छी शुरूआत की और पहले सात ओवर में केवल 42 रन दिये लेकिन बीच के ओवरों में यह लय बरकरार नहीं रही।

आस्ट्रेलिया ने डि आर्शी शार्ट (12 गेंदों पर सात रन) का विकेट जल्दी गंवा दिया जिन्हें खलील ने कुलदीप के हाथों मिड आन पर कैच कराया। फिंच (24 गेंदों पर

27 रन) जब छह रन पर खेल रहे थे तब विराट कोहली ने शार्ट कवर पर उनका कैच छोड़ दिया था। इसके बाद बुमराह जब अपने दूसरे स्पैल के लिये आये तो खलील ने उनकी गेंद पर स्टॉयनिस का आसान कैच टपकाया। बीच में खलील का छोर बदलने का फैसला भी सही साबित नहीं हुआ जिन्होंने अपने दूसरे ओवर में 21 रन लुटाये। लिन ने उन पर मिडविकेट, स्क्वायर लेग और लांग आन पर तीन गगनदायी छक्के लगाये।

कुलदीप ने फिंच और लिन को अपनी गुगली से गच्चा देकर भारत को थोड़ी राहत दिलायी लेकिन तक मैक्सवेल की नजरें जम चुकी था। राहुल ने उन्हें रन आउट करने का आसान मौका गंवाया और इसका खामियाजा ऋणाल पंड्या ने भुगता जिन पर मैक्सवेल ने लांग आन क्षेत्र में लगातार तीन छक्के लगाये। इस बीच स्टॉयनिस ने पगबाधा के खिलाफ डीआरएस का सफल उपयोग भी किया। बारिश थमने के बाद आस्ट्रेलिया को केवल पांच गेंदें खेलने को मिली। बुमराह ने पहली गेंद पर मैक्सवेल को कैच कराया जो गेंद की गति का सही अनुमान नहीं लगा पाये। इसके बाद अगली चार गेंदों पर केवल चार रन बने। दूसरा टी20 23 नवंबर को मेलबर्न में खेला जाएगा।

विश्व कप: दीपा की नजरें अच्छे प्रदर्शन के साथ ओलंपिक टिकट पर

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जिम्नास्ट दीपा करमाकर एशियाई खेलों में चोट के कारण निराशा झेलने के बाद ओलंपिक में जगह पक्की करने के इरादे से जर्मनी के कॉट्टबस में शुरू हो रहे कलात्मक जिम्नास्टिक विश्व कप में भाग लेंगी। चार दिनों तक चलने वाले इस चैम्पियनशिप में आठ स्पर्धाओं को शामिल किया गया हैं जिसमें जिमनास्टों के पास तीन शीर्ष स्कोर वाले प्रारूपों से ओलंपिक का कोटा हासिल करने का मौका होगा।

दीपा के अलावा भारतीय दल में बी अरुणा रेड्डी, आशीष कुमार और राकेश पात्रा भी होंगे जो अपने प्रदर्शन से छाप छोड़ना चाहेंगे। रियो

ओलंपिक में मामूली अंतर से पदक चूककर चौथे स्थान पर रहने वाली दीपा से भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें होगी। उन्होंने इस साल जुलाई में तुर्की में विश्व चैलेंज कप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। अरुणा ने भी मेलबर्न में हुए पिछले विश्व में पॉल वाल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया था जो इस बार और बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी।

पुरुषों में भारत की नजरें आशीष पर होगी जिन्होंने 2010 एशियाई खेलों में कांस्य (फ्लोर एक्सरसाइज) और 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में एक कांस्य अैर रजत पदक हासिल हासिल किया है। राकेश ने भी हाल के दिनों में अच्छा खेल दिखाया। वह पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में मामूली अंतर से पदक चूक गये थे और चौथे स्थान पर रहे थे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और गैर मान्यता प्राप्त भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ (जीएफआई) के बीच विवाद के कारण टूर्नामेंट की तैयारियां प्रभावित हुई। दोनों के बीच तनातनी के कारण साइ ने योगेश्वर सिंह और प्रणति दास का खर्च उठाने से मना करते हुए चार जिम्नास्टों को टूर्नामेंट में भाग लेने की मंजूरी दी। ।साइ और जीएफआई के विवाद के कारण भारतीय जिम्नास्ट पिछले महीने दोहा में हुए विश्व चैम्पियनशिप में भाग नहीं ले पाये थे।

श्रीलंका के खिलाफ अंतिम टेस्ट में नहीं खेलेंगे जेम्स एंडरसन

कोलंबो। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने बुधवार को कहा कि उन्हें श्रीलंका के खिलाफ अंतिम टेस्ट की टीम से बाहर कर दिया गया है जिससे कि साथी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड को मैच अभ्यास का मौका मिल सके। इंग्लैंड की टीम तीसरे टेस्ट में जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला में 3-0 से क्लीनस्वीप करने के इरादे से उतरेगी। एंडरसन ने मैच से पूर्व कहा, ''हां, मैं इस मैच में नहीं खेल रहा, ब्राड खेलेगा। इसके पीछे का विचार यह है कि श्रृंखला जीतने के बाद यह रोटेट करने का मौका है।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''वेस्टइंडीज भी जाना है (जनवरी में) और मुझे लगता है कि इसे देखते हुए वे चाहते हैं कि ब्राड को टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिले।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए यह एक हफ्ते का ब्रेक होगा। यह मेरे लिए हताशा भरा दौरा रहा क्योंकि आप जीत में योगदान देना चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन यह तेज गेंदबाजों की श्रृंखला नहीं थी।''।।स्पिनरों के दबदबे वाली इस श्रृंखला के पहले दो मैचों में एंडरसन ने सिर्फ एक विकेट चटकाया।

बीसीसीआई सीईओ जौहरी यौन उत्पीड़न मामले में दोषमुक्त, काम पर लौट सकते हैं

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

प्रशासकों की समिति द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय जांच समिति ने बीसीसीआई सीईओ राहुल जौहरी को यौन उत्पीड़न के आरोपों से दोषमुक्त करार दिया। समिति ने कम से कम दो महिलाओं के अरोपों को खारिज करते हुए इन्हें 'मनगढ़ंत' बताया। जौहरी को पिछले तीन हफ्ते से छुट्टी पर जाने को बाध्य किया गया लेकिन अब वह काम पर लौट सकते हैं। जांच समिति के एक सदस्य ने हालांकि उनके लिए 'लैंगिक संवेदनशील काउंसिलिंग' की सिफारिश की है।

इस मुद्दे पर दो सदस्यीय प्रशासकों की समिति का रुख बंटा हुआ था। अध्यक्ष विनोद राय ने जौहरी के काम पर लौटने को स्वीकृति दी जबकि डायना एडुल्जी ने कुछ सिफारिशों के आधार पर उनके इस्तीफे की मांग की जिसमें काउंसिलिंग भी शामिल है। जांच समिति के प्रमुख न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) राकेश शर्मा ने अपने निष्कर्ष में कहा, ''कार्यालय या कहीं और यौन उत्पीड़न के अरोप झूठे, आधारहीन और मनगढ़ंत हैं जिनका मकसद राहुल जौहरी को नुकसान पहुंचाना था।''

तीन सदस्यीय जांच समिति में दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष बरखा सिंह और वकील कार्यकर्ता वीना गौड़ा भी शामिल थीं। वीना ने बर्मिंघम में चैंपियन्स ट्राफी के दौरान एक शिकायतकर्ता से 'अनुचित बर्ताव' के लिए जौहरी की काउंसिलिंग की सलाह दी। वीना ने हालांकि कहा कि जौहरी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का कोई मामला नहीं बनता। सीओए ने 25 अक्टूबर को गठित इस समिति को जांच पूरी करने के लिए 15 दिन का समय दिया था। इसकी रिपोर्ट उच्चतम न्यायालय को भी सौंपी जाएगी।

सीओए की सदस्य एडुल्जी चाहती हैं कि बुधवार को यह रिपोर्ट प्रकाशित नहीं हो और उन्होंने मांग की कि इसका अध्ययन करने के लिए उन्हें कम से कम कुछ दिन का समय दिया जाए। सीओए प्रमुख विनोद राय ने हालांकि समिति के सदस्यों और बीसीसीआई की विधि टीम के समक्ष रिपोर्ट को खोल दिया। एडुल्जी समिति के गठन के खिलाफ थी और चाहती थी कि आरोपों के आधार पर जौहरी को बर्खास्त किया जाए जबकि राय का मानना था कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार किसी कार्रवाई से पहले जांच जरूरी है।

जौहरी के खिलाफ सबसे पहले यौन दुराचार के आरोप एक गुमनाम ईमेल में लगाए गए थे जिसे ट्विटर पर डाला गया लेकिन बाद में इस पोस्ट को हटा दिया गया। आरोपी का दावा था कि जौहरी की पिछली नौकरी में वह उसके साथ काम करती थी। इसके बाद दो और आरोप लगाए गए। इसमें से एक सिंगापुर में रहने वाली मीडिया पेशेवर और एक अन्य महिला थी जो जौहरी के साथ उनके पिछले संस्थान में काम कर चुकी थी।

इन दोनों महिलाओं ने स्काइप के जरिए सुनवाई में हिस्सा लिया। इसके अलावा बीसीसीआई की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के पूर्व प्रमुख नीरज कुमार, बीसीसीआई कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी, आईपीएल याचिकाकर्ता आदित्य वर्मा और मुंबई के पूर्व कप्तान शिशिर हट्टनगड़ी ने भी सुनवाई में हिस्सा लिया। उसके अलावा जौहरी के खिलाफ बीसीसीआई की महिला कर्मचारी के साथ भी अनुचित व्यवहार का आरोप लगा। इस महिला कर्मचारी ने हालांकि सुनवाई में हिस्सा नहीं लिया। जौहरी गवाही के लिए पहुंचने वाले अंतिम व्यक्ति थे जो दो दिन चली।

फर्जी दस्तावेज के साथ प्लोट बेचे के नाम पर युवक के साथ ठगी

सूरत। सचिन, पालीगाम के मुल युपी निवासी युवक के साथ प्लोट बेचने के नाम पर फर्जी दस्तावेज बनाक 6 लाख 42 हजार रुपए लेकर धोखाधड़ी की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुजब मुल युपी वतनी अरविंद राजेन्द्र मौर्या परिवार के साथ पालीगाम के कैलासनगर में रहता है। सचिन जीआईडीसी पोलीस स्टेशन में क्रिष्णा नन्हे भाई दुबे, शिवांजलि पार्क सोसा. भेस्तान, दिव्येश हसमुखलाल मावावाला का गलत नाम इस्तेमाल करके प्रेमल शांतिलाल नोटिडसवाला का बोगस नाम रखकर काम करने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर के अनुसार क्रिष्णा दुबे और उनके साथीयों ने मिलकर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। 2012 में सचिन जीआईडीसी, पालीग्राम पंचायत में आए गोपालवाडा़ नामक सोसा. के प्लोट का नकशा दिखा कर नक्शे में प्लोट नं. 7, और प्लोट नं. 76 पसंद आने के बाद में एक प्लोट का दस्तावेज रुपए 3 लाख 21 हजार में सौदा नक्की किया और दुसरे मकान की किमत दस्तावेज होने के बाद दी जाएगी।

जिसके बाद एक प्लोट का रुपए लेकर प्लोट का मूल मालिक दिव्येशभाई की जगह दुसरे व्यक्ति को खड़ा कर दिया और उसके बोगस सही और अंगुठे का निशान और बोगस फोटो आईडी लगाकर दस्तावेज बनाकर दे दिए। जब इन दस्तावेजों के झुठे होने की खबर तब क्रिष्णा दुबे को मिलने के बाद उन्होंने दुसरी जगह पर मकान देने को कहा लेकिन मकान ना लेकर मकान की रकम अदा की थी वो वापिस मांगा दो उसकी वक्त एच.डी.एफ.सी बैंक का अन्य पार्टि का चैक नं. 003356 तारीख 15-03-2016 जिसका रकम 5 लाख रुपए थी बैंक में भरने के बाद में बैंक से रिटरन हो गया। जिसके बाद युवक द्वारा पुलिस स्टेशन में अर्जी देकर उचित कार्यवाही की मांग की गई, जिसकी एफआईआर फटने के बाद कोर्ट के सामने सारा मामला आने के बाद पकड़े गए आरोपियों को पांच दिन का रिमांड दिया गया।

पीएम मोदी से रविन्द्र जाडेजा की सपत्नीक मुलाकात

अहमदाबाद। टीम इंडिया के खिलाड़ी रविन्द्र जाडेजा और उनकी पत्नी रीवाबा जाडेजा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद इस बात की अटकलें तेज हो गई हैं कि भाजपा आगामी लोकसभा सीट से नया चेहरा उतार सकती है। और वह चेहरा है रविन्द्र जाडेजा की पत्नी रीवा बा। दरअसल दीपावली के बाद रविन्द्र जाडेजा और रीवाबा ने दिल्ली जाकर पीएम मोदी से मुलाकात की थी7 पीएम मोदी से मुलाकात के बाद रविन्द्र जाडेजा ने सोशल मीडिया में फोटो साझा की थी और लिखा था कि एक महान व्यक्ति से मुलाकात कर काफी गर्व महसूस कर रहा हूं।

नवरात्रि के दौरान अचानक करणी सेना में शामिल हुई रीवाबा को करणी सेना महिला मोर्चा का गुजरात प्रमुख बनाया गया है और उसके बाद पीएम मोदी से मुलाकात को लेकर उनके राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गई हैं। राजकोट और जामनगर लोकसभा सीट जीतने के लिए भाजपा किसी नए चेहरे को उ मीदवार बना सकती है। भाजपा को सौराष्ट्र क्षेत्र में क्षत्रिय समाज से सक्षम एवं लोकप्रिय चेहरे की तलाश थी और लगता है अब रीवाबा के रूप में उसे नया चेहरा मिल गया है। आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए ही नहीं केवल भाजपा में शामिल होने से भाजपा को राजकोट और जामनगर की सीट पर फायदा हो सकता है। हांलाकि जामनगर की मौजूदा सांसद पूनम माडम भी काफी लोकप्रिय है, लेकिन सत्ता विरोधी लहर से निपटने के लिए भाजपा एक और महिला को चुनाव मैदान में उतार सकती है।

शराब से भरी कार समेत महिला गिरफ्तार, एक फरार

सूरत। सूरत पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर मगदल्ला रोड पर बुडिया सर्कल के निकट से शराब से भरी कार समेत एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। जबकि कार में सवार दूसरा श स फरार हो गया। फरार श स महिला का दामाद होने का पता चला ह।

जानकारी के मुताबिक पुलिस को सूचना मिली थी कि सूरत के बुडिया गांव में रहनेवाला और शराब तस्करी से जुड़ा मित्तल शैलेष पटेल दमण से स्वी ट कार में शराब लेकर सूरत आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मगदल्ला रोड पर निगरानी बढ़ा दी। सुबह करीब 4 से 5 बजे के दान बुडिया सर्कल से एक संदिग्ध कार को पुलिस ने रोक लिया। कार रुकते ही उसका ड्राइवर गाड़ी और उसमें सवार महिला को छोड़कर भाग निकला। कार की तलाशी में पुलिस को विदेशी शराब की 35 पेटी मिली। शराब बरामद होते ही पुलिस ने चंद्रिका मोहनभाई पटेल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि फरार श स चंद्रिका पटेल का दामाद था। पुलिस ने 84 हजार रुपए कीमत की शराब और 5 लाख की कार जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

शुक्लतीर्थ में मेला के स्टोल में गैस सिलिंडर ब्लास्ट से लगी आग

भरुच। जिले के शुक्लतीर्थ में लगे मेला के एक स्टोल में सिलिंडर ब्लास्ट होने से आग भड़क उठी। हांलाकि समय पर फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और त्वरित कार्यवाही कर आग पर काबू पा लिया। सदभाग्य से हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई।

जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के शुक्लतीर्थ गांव में कार्तिक पूर्णिमा के उपलक्ष्य में पांच दिनों का पारंपरिक मेला होता है, जिसमें भरुच समेत आसपास के जिलों के लोग बड़ी सं या में शामिल होते हैं। मेला में लगे एक स्टोल में आज अचानक सिलिंडर में ब्लास्ट हो गया और आग भड़क उठी। जिससे मेला में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। खबर पाते ही भरुच फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग अन्य स्टोल को अपनी चपेट में उससे पहले त्वरित कार्यवाही कर आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई।

मुस्लिम समाज के पवित्र त्यौहार ईदमिलाद को मनाया गया। जमालपुर से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

पानी पीने खड़े माता-पुत्र को कार ने मारी टक्कर, माता की मौत, पुत्र गंभीर

राजकोट। जिले के जामवाडी के निकट कार की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई और उसका पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना उस समय हुई जब माता-पुत्र पानी पीने के लिए खड़े थे।

जानकारी के मुताबिक राजकोट के रैया टेलीफोन एक्सचैंज के निकट भक्तिधाम लैट निवासी महेश वल्लभभाई मेंदपरा मोटर साइकिल पर अपनी पत्नी जिज्ञाशा और पुत्र कैयान के साथ माणावदर के सणोसरा जा रहे थे। रास्ते में गोंडल के जामवाडी के निकट पानी पीने के लिए महेश ने मोटर साइकिल खड़ी की थी। उस वक्त पीछे से तेज रफ्तार में आई एक कार ने जिज्ञाशा और कैयान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में घायल जिज्ञाशा मेंदपरा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि कैयान को गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गोंडल पुलिस ने महेश मेंदपरा की शिकायत के आधार पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट को लेकर निर्णय

RTO कर्मचारी घर आकर नंबर प्लेट लगाकर जाएंगे

नंबर प्लेट के लिए आरटीओ कर्मचारी को सोसाइटी या आवास में बुलाने के लिए आरटीओ में देना पड़ेगा लेटर

अहमदाबाद। अब नागरिकों या वाहनचालकों को अपने वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने के लिए आरटीओ की ऑफिस तक चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अब से आरटीओ के कर्मचारी घर में आकर एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाकर जाएंगे। आरटीओ सोसाइटी, अपार्टमेन्ट, सरकारी आवास या सार्वजनिक स्थलों पर कैम्प आयोजित करके नंबर प्लेट्स लगाकर देंगे। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट को लेकर सरकार और प्रशासन द्वारा महत्व का निर्णय लेकर अब इसे लागू कराने के लिए आरटीओ द्वारा मंजूर एचएसआरपी नंबर प्लेट आपके क्षेत्र में या सोसाइटी में आकर लगाकर जाए उसके पहले नागरिकों को एक प्रक्रिया में से गुजरना पड़ेगा। इसके लिए सोसाइटी या आवास के सेक्रेटरी को एक लेटर आरटीओ को भेज ना पड़ेगा। इसके बाद आरटीओ ऑफिस की तरफ से निश्चित सोसाइटी या आवास को तारीख दिया जाएगा। निश्चित तारीख पर संबंधित सोसाइटी के वाहनों की पुरानी नंबर प्लेट बदलकर नई हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट आरटीओ के कर्मचारी लगाकर देंगे। आरटीओ पर होती भीड़ और वाहन के मालिकों का समय बचाने के लिए निर्णय किया गया है। इस बारे में सरकार ने जारी किए परिपत्र के अनुसार सोसाइटी, सरकारी आवास, अपार्टमेन्ट या सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित किए जाने वाले कैम्प में नई नंबर प्लेट लगाने के लिए आरटीओ की तरफ से निश्चित किया गया चार्ज ही वसूल किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि इस अनुसार हरएक वाहन में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है। इसके लिए आरटीओ के अधिकृत डीलर्स के वहां जाकर वाहनचालक अपनी पुरानी प्लेट को बदल सकते हैं। प्रशासन के यह महत्व के निर्णय की वजह से अहमदाबाद शहर सहित राज्यभर के नागरिकों या वाहनचालकों को काफी राहत मिली है। प्रशासन के यह सकारात्मक दृष्टिकोण की वजह से सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार एचएसआरपी लगाने का काम भी जल्दी से पूरा होने की उम्मीद है।

एएमसी में क्लर्क केटेगरी में प्रमोशन से खुशी का माहौल

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शासकों द्वारा २२ वर्षों के बाद क्लार्क स्तर के कर्मचारियों को सिनियोरिटी के आधार पर प्रमोशन दिए जाने से कर्मचारियों में खुशी की लहर फैल गई। कमिशनर विजय नेहरा के आदेश से जारी किए गए दो ज ीडीएसटी में प्रमोशन के ऑर्डर दिए गए है। जिसकी वजह से कर्मचारियों में खुशी का माहौल छा गया है। एएमसी प्रशासन द्वारा गत दिन प्रशासनिक कैडर में सातवें आयोग के अनुसार लेवल छह पे मेट्रिक्स ३५,४०० रुपये से १,१२,४०० के ग्रेड की हेड क्लर्क की ६० फीसदी के अनुसार प्रमोशन से भर्ती करने की २८ जगह पर डिपार्टमेन्टल प्रमोशन कमिटी के गत ३ अगस्त, २०१८ के निर्णय अनुसार प्रमोशन दिया गया था, रोस्टर के अनुसार २१ जगह अनारक्षित और सात जगह शीडयुल कास्ट के उम्मीदवार से भर्ती की गई थी। जि सके लिए सातवें आयोग के अनुसार चार पे मेट्रिक्स २५,५०० रुपये से ८१,१०० रुपये के ग्रेड में सीनियर क्लर्क के तौर पर डयूटी करते सेक्रेटरी ऑफिस, सेन्ट्रल वर्कशोप, सेन्ट्रल रिकॉर्ड, वित्त विभाग सहित के कर्मचारी को हेड क्लर्क का प्रमोशन दिया गया है।

रुपये की लेन-देन में ड्राइवर ने ही अपहरण किया

मेघाणीनगर क्षेत्र से अपहृत बच्चे को पुलिस ने छुड़ाया

पुलिस ने बहुत सूझबूझ अपनाकर शामलाजी के पास अपहृत बच्चे को छुड़ाकर सुरक्षित माता-पिता को सौंपा

अहमदाबाद। मेघाणीनगर क्षेत्र के भार्गव रोड पर गत दिन देर रात को एक दस वर्ष के बच्चे का अपहरण होने पर सनसनी मच गई। शहर क्राइमब्रांच तथा अरवल्ली पुलिस ने कुछ ही घंटों में बच्चे को अपहरणकर्ता की कैद से छुड़ाकर इसके माता-पिता को सौंप दिया। अपहरणकर्ता ने सिर्फ २० हजार रुपये की रकम लेकर बच्चे का अपहरण किया और इसे रिवाल्वर बताकर राजस्थान लेकर चला गया। अपहरणकर्ता बच्चे के पिता का ड्राइवर था और रुपये की लेन-देन मामले में यह घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस की सतर्कता के कारण बच्चे को सुरक्षित बचा लिया गया।। बच्चा सुरक्षित मिलने से माता-पिता को राहत मिली।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, मेघाणीनगर क्षेत्र में स्थित तलवाडा सोसाइटी में रहते भंवरलाल शर्मा केटरिंग का धंधा करते है। गत दिन रात को भंवरलाल शर्मा के दस वर्ष का पुत्र लक्की उर्फ आर्य का एक शख्स अपहरण करके ले गया। लक्की अपने घर वापस नहीं आने से भंवरलाल शर्मा ने मेघाणीनगर पुलिस स्टेशन में अपहरण की शिकायत की थी। भंवरलाल शर्मा को जानकारी मिली थी कि यह अपहरण उनके पूर्व कर्मचारी सरदार उर्फ प्रहलाद जाट ने किया है। मेघाणीनगर पुलिस ने अपहरण की शिकायत दर्ज करके पुलिस कंट्रोलरूम में जानकारी दे दी। पुलिस कंट्रोलरूम ने तुरंत अहमदाबाद क्राइम ब्रांच सहित राज्य के सभी कंट्रोलरूम में जानकारी दे दी। क्राइमब्रांच के डीसीपी दीपेन भद्रन तथा राज्य पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा और रेन्ज आईजी और जिला एसपी यह मामले में सतर्क हो गये और जगह-जगह नाकाबंदी कर दी थी। सरदार जाट राजस्थान का होने से दीपेन भद्रन ने एक टीम को शामलाजी बॉर्डर पर रवाना कर दिया तब पुलिस ने राज्य की सभी बॉर्डर पर बंदोबस्त कर दिया था। शामलाजी बॉर्डर पर अरवल्ली एसपी मयूर पाटली भी पेश हो गये और एक-एक गाडी की जांच कर रहे थे। इस दौरान क्राइमब्रांच की टीम भी शामलाजी बॉर्डर पर पहुंच गई थी। दूसरी तरफ अपहरण करने वाले सरदार भी लक्की को राज स्थान ले जाना चाहता था।

मेघाणीनगर में घर में चलते अवैध सेन्टर का पर्दाफाश

अहमदाबाद। अवैध रूप से चल रहे कॉल सेन्टर में पुलिस सख्त होने से अब लोग अपने घर में छोटे-छोटे पैमाने पर कॉल सेन्टर चला रहे है। मेघाणीनगर पुलिस ने घर में चलता एक अवैध कॉल सेन्टर का पर्दाफाश करके एक युवक की गिरफ्तारी की है। युवक अपने ही घर में कॉल सेन्टर चला रहा था और विदेशी नागरिक के साथ धोखाधड़ी करता था। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है और इसके घर में ८४ लाख रुपये नकद जब्त की है। पुलिस सूत्रों के बताये अनुसार यह नकद रकम कॉल सेन्टर की हो ऐसा प्राथमिक जांच में लग रहा है। यह घोटाले में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने खोजबीन शुरू कर दी है। मेघाणीनगर पुलिस स्टेशन की सर्वेलन्स स्कवोर्ड में पीएसआई के तौर पर डयुटी करते वीएस. सिंधव और उनकी टीम को जानकारी मिली थी कि, बंगला क्षेत्र में स्थित स्वामी टेउराम सोसाइटी में रहते दीपेश राधानी अपने घर में अवैध कॉल सेन्टर बनाकर विदेशी नागरिकों के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी कर रहे हैं। मिली जानकारी के आधार पर पीएसआई तथा उनकी टीम ने स्वामी टेउराम सोसाइटी में देर रात को छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान पुलिस को घटना स्थल से दिनेश राधानी नाम के युवक की गिरफ्तारी की गई थी। पुलिस ने उनके घर की जांच करने पर विदेशी नागरिकों के नाम-नंबर के डेटा तथा लेपटोप हार्डडिस्क, मेजिक जेक, विदेश के एजेन्ट के नाम मिले है। पुलिस ने आरोपी के पास से ८४ लाख रुपये नकद जब्त किया गया था। विदेशी नागरिकों को लोन देने का तथा अलग-अलग स्कीम बताकर दीपेश धोखा देता था। मेघाणीनगर पुलिस ने इसे गिरफ्तार करके आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के बताये अनुसार, दीपेश पहले कॉल सेन्टर में काम करता था और इसके बाद उसने अपने घर से कॉल सेन्टर शुरू किया था। कॉल सेन्टर में काम करते लोग पुलिस को जानकारी देते होने से उसने अकेले शुरू किया था।

जुनावाडज स्मशान गृह के पास गुजर रहा दांडी ब्रिज के रास्ते को बंद किया गया है। हेरिटेज सप्ताह चल रहा है तब यह निर्णय लिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)